For B.Com DI (S/G) Students. Date 30-04-2020 | 01

Sub:- Bus. Eco & Environment

TOPIC - Characteristics of ISO Product-Curve

Ques> समोत्पाद वक्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

Ans — समउत्पादक वक्रों की विशेषताएं

Characteristics of ISO-Product Curves

1, समउत्पाद वक्र बांये से दांये नीचे गिरता — समउत्पाद वक्र की परिभाषा के अनुसार इस वक्र का प्रत्येक बिंदु फर्म के एकसमान उत्पादन स्तर को बताता है। यदि एक उत्पत्ति के साधन की मात्रा में वृद्धि की जाती है तो निश्चित रूप से उत्पादन स्तर को स्थिर बनाये रखने के लिए दूसरे उत्पत्ति के साधन की मात्रा में कमी करनी यही कारण है कि समोत्पाद वक्र बांये से दांये नीचे गिरता है और 'ऋणात्मक ढाल' (Negative Slope) वाला होता है।

रेखाचित्र द्वारा स्पष्टीकरण :→ बगल के चित्र में समोत्पाद दर्शाया गया है। समोत्पाद वक्र की अवधारणा के अनुसार A ($OX_1 + OY_1$ पर तथा बिन्दु B ($OX_2 + OY_2$ पर एक समान उत्पादन मिलेगा। A और B बिन्दुओं पर एकसमान उत्पादन प्राप्त करने के लिए जब साधन X की मात्रा में OX_1 से OX_2 तक वृद्धि की जाती है तब निश्चित रूप से Y साधन की मात्रा में OY_1 से OY_2 तक कमी करनी पड़ेगी। एक साधन की मात्रा में की वृद्धि तथा दूसरे साधन की मात्रा में कमी के कारण समोत्पाद वक्र ऋणात्मक ढाल वाला वक्र बनकर बांये से दांये नीचे की ओर गिरता है।

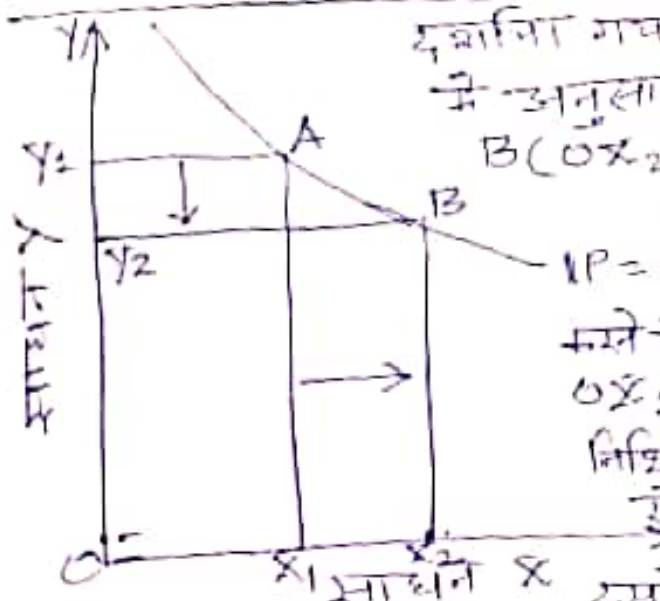

(2) ऊँचा समोत्पाद वक्र ऊँचे उत्पादन स्तर को बताता है तथा समोत्पाद पर निचले स्तर उत्पादन स्तर को बताता है — इस विशेषता को अगले पृष्ठ पर दिये गये चित्र-2 द्वारा स्पष्ट किया गया है। बिन्दु A समोत्पाद वक्र IP_1 पर है जिसका उत्पादन साधन X

(P.T.O)

Scanned with CamScanner

की OX_1 मात्रा तथा साधन Y की OY_1 मात्रा से किया जा रहा है। बिंदु B भी ऊँची समोत्पाद वक्र पर है, का उत्पादन साधन X की OX_2 तथा साधन Y की OY_1 मात्रा से किया जा रहा है। स्पष्ट है कि दोनों बिन्दुओं की प्राप्ति में साधन Y की मात्रा OY_1 स्थिर है जबकि बिन्दु B के संयोग में साधन की तुलना में उत्पादन अधिक होगा। बिन्दु B ऊँचे समोत्पाद वक्र पर है जिससे स्पष्ट होता है कि ऊँचा समोत्पाद वक्र ऊँचे उत्पादन स्तर को बताता है।

रेखाचित्र (संख्या 2) द्वारा स्पष्टीकरण

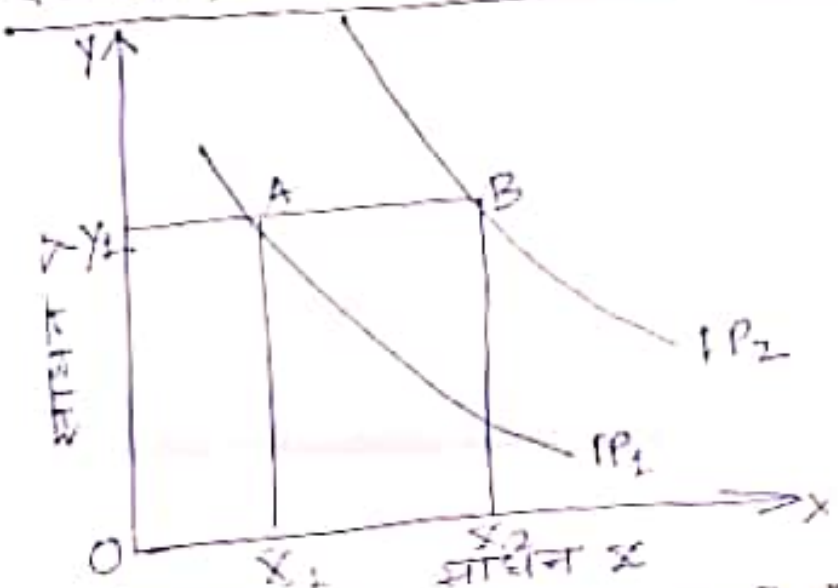

(3) दो समोत्पाद वक्र एक-दूसरे को नहीं काटते :- एक समोत्पाद वक्र उत्पादन के निश्चित स्तर को बतलाता है। यदि दो समोत्पाद वक्र के काटने की अवधारणा को स्वीकार कर लिया जाए तब इसका अर्थ यह है कि काटने का बिंदु दोनों समोत्पाद वक्रों में उभयनिष्ठ है। यह उभयनिष्ठ बिन्दु उत्पादन के एक ओर केवल एक स्तर को प्रदर्शित करना चाहिए किन्तु यह उभयनिष्ठ बिंदु दो समोत्पाद वक्रों का बिंदु होने के कारण केवल एक उत्पादन स्तर को सूचित नहीं कर सकता। अतः स्पष्ट है कि दो समोत्पाद वक्र आपस में एक-दूसरे को नहीं काट सकते हैं।

(4) समोत्पाद वक्र कभी अक्षों को स्पर्श नहीं करता :- समोत्पाद वक्र उत्पत्ति के दो साधनों के विभिन्न संयोग से उत्पादित

(P.T.O.)

Scanned with CamScanner

किया उत्पादन मात्रा को सूचित करता है। यदि समोत्पाद वक्र को अक्षों को स्पर्श करता हुआ मान लिया जाये तब इसका अभिप्राय है कि बिन्दु A तथा B पर केवल एक उत्पत्ति का साधन प्रयोग किया जा रहा है। किन्तु समोत्पाद वक्र की अवधारणा में दो उत्पत्ति के साधनों का प्रयोग आवश्यक है। अतः स्पष्ट है कि समोत्पाद वक्र कभी अक्षों को स्पर्श नहीं करते। यह बात निम्न रेखाचित्र द्वारा स्पष्ट है —

रेखाचित्र द्वारा स्पष्टीकरण

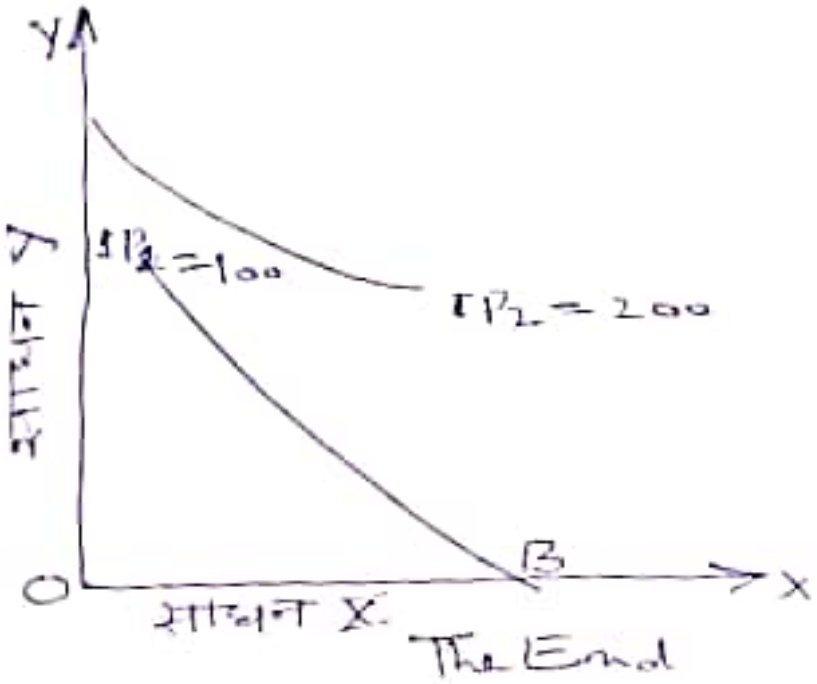

The End

By Dr S.K. Sharma, Associate Professor
Dept of Commerce, R.N.C. Tandaul.